

12 जून 2024

विशेष रिपोर्ट

ग्वार कॉम्प्लेक्स और कॉटन

जून 2024



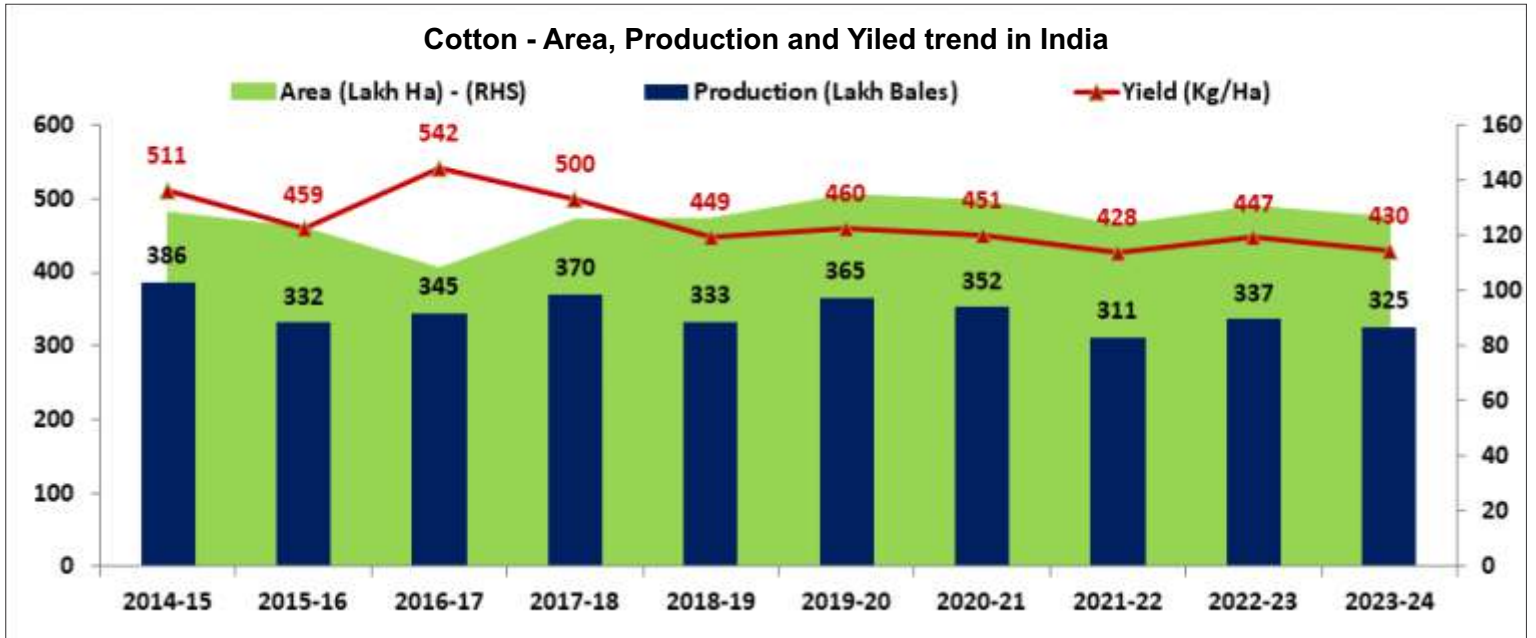
 **smc**
moneywise. be wise.

मई 24 में काँटन की कीमतों में तेज वृद्धि देखी गई क्योंकि कीमतें 55620 के निचले स्तर से लगभग 4% उछलकर एमसीएक्स पर 57600 पर बंद हुई। इसी तरह, भारत के उत्तरी हिस्से में धीमी बुआई प्रगति को देखते हुए कपास की कीमतें भी लगभग 5% बढ़ गईं।

उत्तर भारत में कपास की बुआई आने वाले सीजन में 20-30 फीसदी तक घट सकती है क्योंकि पिछले वर्षों में कीटों के हमले के कारण किसानों का इस व्यावसायिक फसल पर से भरोसा उठ गया है। पिछले साल हरियाणा में 6.65 लाख हेक्टेयर, पंजाब में 1.69 लाख हेक्टेयर और राजस्थान में 7.91 लाख हेक्टेयर में कपास की बुआई हुई थी। उत्तर भारत में कुल बुआई क्षेत्र 16.25 लाख हेक्टेयर तक पहुँच गया। काँटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) के अनुसार, प्रति हेक्टेयर 484.44 किलोग्राम लिंट की औसत उपज के साथ कुल उत्पादन 46.82 लाख गांठ होने का अनुमान लगाया गया था। सामान्य कपास बुवाई क्षेत्र (2018-2022) हरियाणा में 6.88 लाख हेक्टेयर, पंजाब में 2.68 लाख हेक्टेयर और राजस्थान में 6.30 लाख हेक्टेयर था, उत्तर भारत में कुल क्षेत्र 15.86 लाख हेक्टेयर था।

पंजाब में बुआई की अवधि 31 मई को समाप्त हो गई और पिछले साल के 1.79 लाख हेक्टेयर के मुकाबले इस साल केवल 96,614 हेक्टेयर भूमि कपास की खेती हुई है, जो इस फसल के तहत राज्य में अब तक के सबसे कम क्षेत्र है और 46% की गिरावट है। यह तब हुआ जब कृषि विभाग ने कपास के तहत 2 लाख हेक्टेयर भूमि का लक्ष्य निर्धारित किया।

मध्य और दक्षिणी राज्यों में कपास का रकबा बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि वहां मानसूनी बारिश शुरू हो गई है। दक्षिणी राज्यों कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में खरीफ 2024 सीजन के लिए बुआई शुरू हो गई है और मानसून की बारिश बढ़ने के साथ इसमें तेजी आने की उम्मीद है। तेलंगाना में कपास का रकबा बढ़ने की संभावना है, जहां मिर्च किसानों के एक वर्ग के फाइबर फसल की ओर स्थानांतरित होने की संभावना है क्योंकि मसालों की फसल की कीमतें कम चल रही हैं। भारत में वर्ष 2023-24 में लगभग 325.22 लाख गांठ कपास का उत्पादन हुआ है, जो पिछले वर्ष के 337 लाख गांठ के मुकाबले 3% कम है। वर्तमान बुआई गति को देखते हुए, ऐसा लगता है कि वर्ष 2024-25 में मुख्य रूप से कम रकबे के कारण कपास उत्पादन में 10% -15% की गिरावट होने का अनुमान है।




भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के नवीनतम पूर्वानुमान में आने वाले मानसून में सामान्य से बेहतर बारिश की भविष्यवाणी की गई है, क्योंकि यह 30 मई को सामान्य शुरुआत से 2 दिन पहले केरल में पहुंच गया। आईएमडी ने लंबी अवधि के औसत (एलपीए) की तुलना में जून में 92-108 प्रतिशत बारिश की भविष्यवाणी की है। ला-नीना प्रभाव के कारण अगले महीनों में मानसून अपना पैटर्न बदल सकता है।

विभाग ने कहा कि जून-सितंबर के दौरान देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून की वर्षा +/- 4 प्रतिशत की मॉडल त्रुटि के साथ लंबी अवधि के औसत का 106 प्रतिशत होने की संभावना है। जबकि मध्य और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में मानसून सामान्य से ऊपर रहेगा, पूर्वोत्तर भारत में सामान्य से कम और उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है। लंबी अवधि के औसत के 105 प्रतिशत से 110 प्रतिशत के बीच को सामान्य से ऊपर माना जाता है।

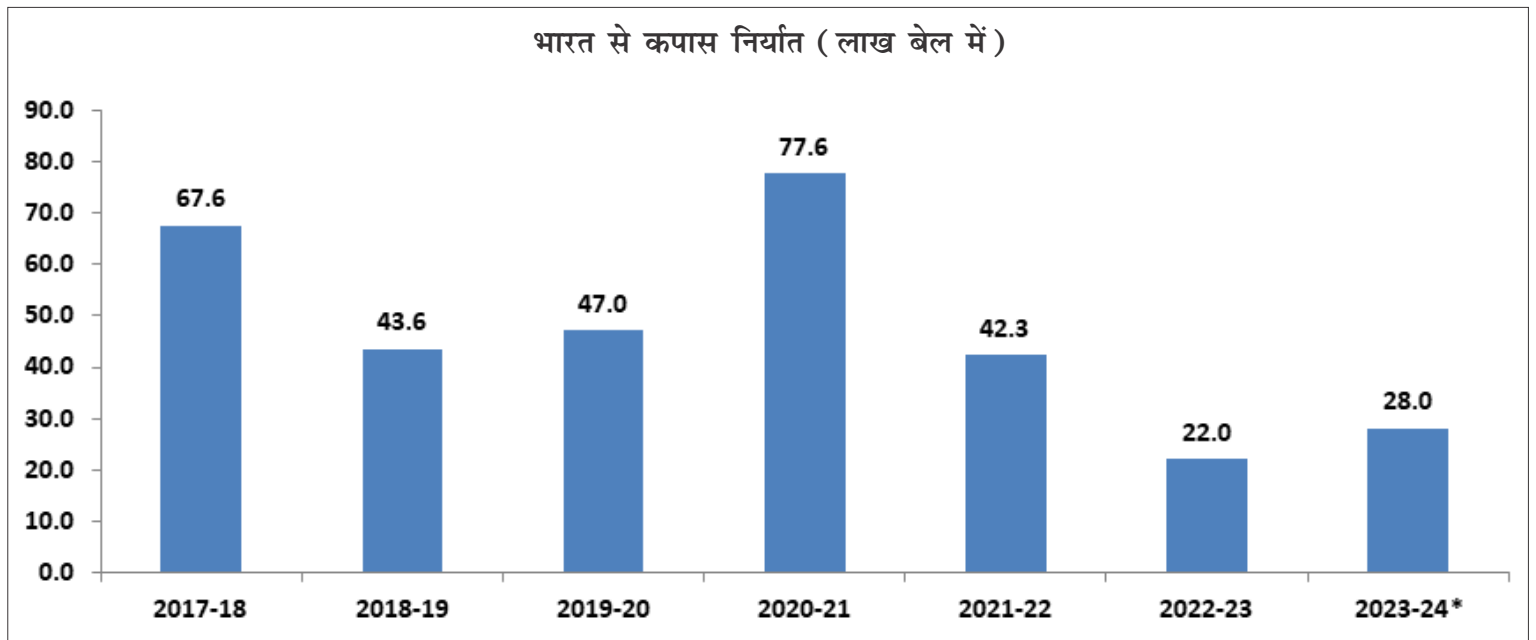
लगभग 93% से अधिक कपास की आवक बाजार में पहुंच चुकी है और आने वाले हफ्तों में आपूर्ति कम होने की संभावना है जिससे कीमतों में मजबूती आ सकती है। बाजार वर्ष 2023-24 में अब तक लगभग 296.55 लाख गांठ कपास की आवक हो चुकी है।

पूरे भारत में कपास की आवक 10 जून तक

 COTTON ASSOCIATION OF INDIA COTTON SEASON 2023-2024 STATE-WISE ESTIMATES OF DAILY COTTON ARRIVALS Monday, 10 June, 2024					
Sr No.	State	Daily Arrival		Cumulative Arrival	
		In 170 Kg Bales	Metric Tones	In 170 Kg Bales	Metric Tones
1	North	900	153	44,53,100	7,57,027
2	Gujarat	14,000	2,380	79,52,300	13,51,891
3	Maharashtra	15,000	2,550	83,19,400	14,14,298
4	Madhya Pradesh	1,400	238	17,65,200	3,00,084
5	Karnataka	1,000	170	19,47,900	3,31,143
6	Telangana	500	85	34,15,800	5,80,686
7	Andhra Pradesh	800	136	11,23,200	1,90,944
8	Tamil Nadu	200	34	1,09,000	18,530
9	Odisha			3,70,000	62,900
10	Others			2,00,000	34,000
	TOTAL	33,800	5,746	2,96,55,900	50,41,503
Remark					

काँटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) ने सितंबर में समाप्त होने वाले फसल वर्ष 2023-24 के दौरान कपास निर्यात लगभग 27 प्रतिशत बढ़कर 28 लाख गांठ होने का अनुमान लगाया है। सीएआई ने कहा कि 2022-23 फसल सीजन (अक्टूबर-सितंबर) में कपास का निर्यात 22 लाख गांठ था। हाल ही में कीमतों में गिरावट के कारण भारतीय कपास के सस्ता होने से इसकी मांग बढ़ गई है। भारत अपना कपास मुख्य रूप से बांग्लादेश, चीन और वियतनाम जैसे देशों को निर्यात करता है। सीजन के लिए कपास आयात का अनुमान पिछले साल की तुलना में 7.90 लाख गांठ अधिक है।

भारत से कपास निर्यात (लाख बेल में)





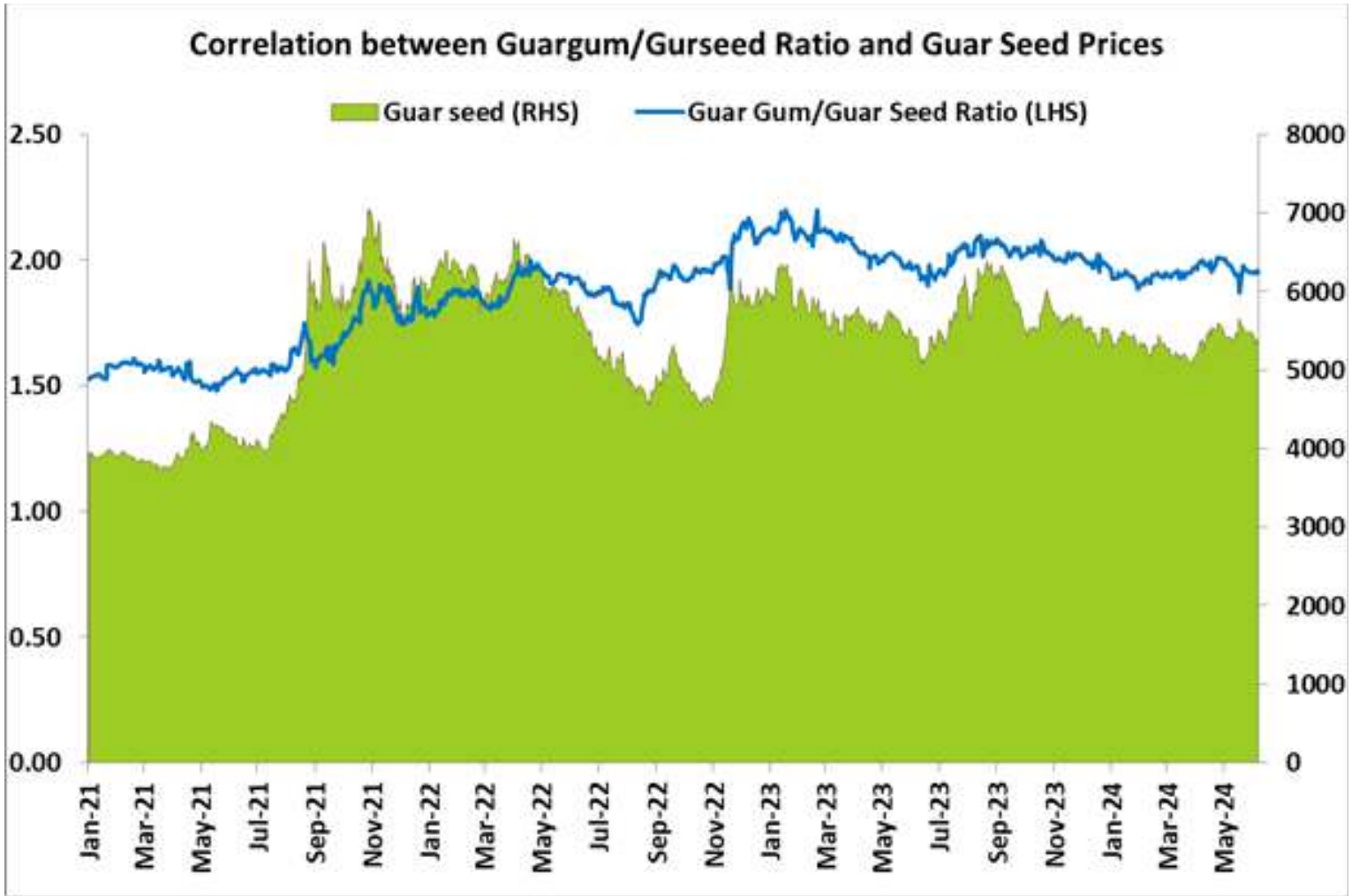
उपरोक्त फंडामेंटल के आधार पर काँटन की कीमतों में तेजी का रूझान रहने की उम्मीद है, जिसका मुख्य कारण वर्ष 2024-25 के लिए धीमी बुआई गति है। निर्यात मांग अधिक रही है जिससे कीमतों में मजबूती को भी समर्थन मिलेगा। आपूर्ति कम होने की संभावना है जिससे कीमतों में मजबूती आ सकती है। आने वाले सप्ताह में काँटनकैंडी का भाव एमसीएक्स पर 54900-58000 के दायरे में रहने की संभावना है।

इसी तरह, एनसीडीईएक्स पर कपास (अप्रैल 25) के 1540-1650 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है, जबकि एनसीडीईएक्स काँटनऑयलसीडकेक के 2250-2780 के दायरे में कारोबार करने की उम्मीद है।

भौतिक बाजार में कमजोर मांग के कारण पिछले कुछ महीनों में ग्वारसीड की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। ग्वारसीड की कीमतें मई-24 में लगभग 0.8% मासिक और जून-24 में अब तक 1.2% मासिक गिरावट के साथ 5400 के करीब पहुंच गईं। इस गिरावट के पीछे सीमित पेराई मांग के मुकाबले घरेलू बाजार में बढ़ी हुई आपूर्ति को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। ग्वारगम और ग्वारमील की कीमतों में गिरावट के साथ पेराई मार्जिन आकर्षक नहीं रही, जिससे मिलें थोक खरीद से दूर हो गईं। ग्वार गम की कीमतें मई-24 में 3.5% मासिक और जून-24 में अब तक 0.8% लुढ़क गईं।

निर्यात पूछताछ में कमी के कारण ग्वारगम की कीमतों में गिरावट तुलनात्मक रूप से अधिक थी। ग्वारगम/ग्वारसीड का मूल्य अनुपात ग्वारगम की कीमतों में गिरावट के साथ कम हुआ है और 1.95 के करीब पहुंच गया। ग्वारगम/ग्वारसीड के मूल्य अनुपात का ग्वारगम की कीमतों से सीधा संबंध है और ग्वारगम की बढ़ती निर्यात संभावनाओं को देखते हुए ऐसा लगता है कि ग्वारगम की कीमतें बढ़ सकती हैं जिससे ग्वारगम/ग्वारसीड के मूल्य अनुपात में वृद्धि होगी।

ग्वारगम/ग्वारसीड की कीमतों का अनुपात और ग्वारसीड की कीमतों के बीच संबंध

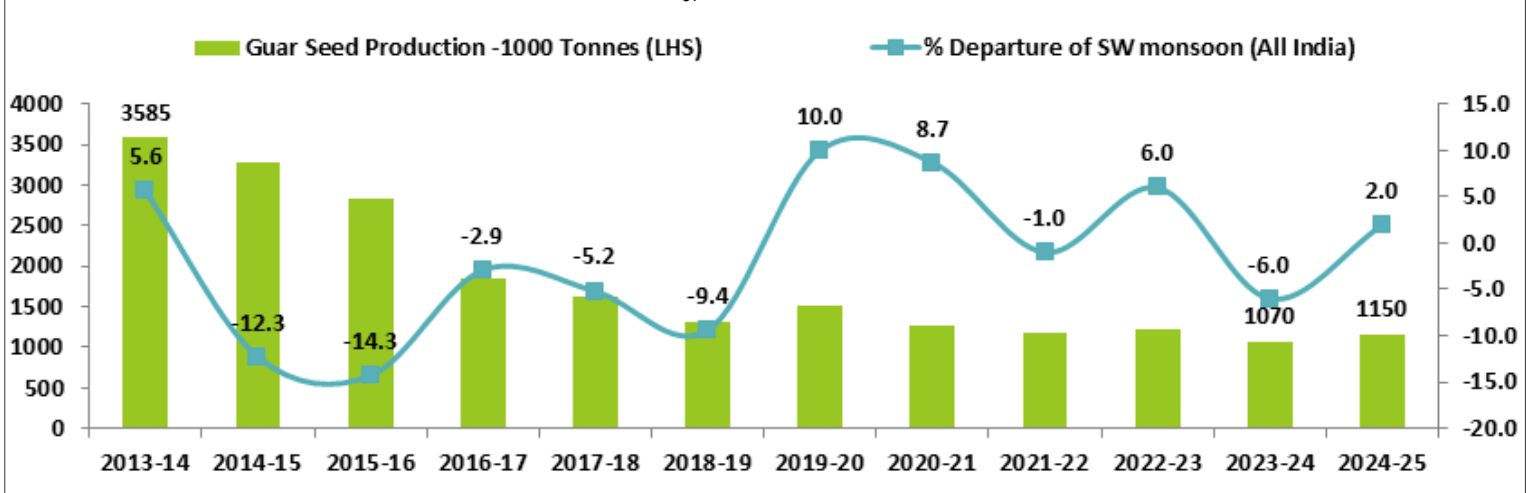


जयपुर में ग्वारसीड की हाजिर कीमत 5450 वायदा से 108 अंक अधिक के प्रीमियम पर हैं। हाजिर कीमतों में नुकसान वायदा कीमतों की तुलना में सीमित है, जिसके कारण आधार अंतर में वृद्धि हुई है। आगे चलकर, आगामी बुआई गतिविधियों और मानसून की प्रगति से ग्वार की कीमतों में आगे का रुख तय होने की संभावना है। दक्षिण-पश्चिम मानसून आमतौर पर 1 जून के आसपास केरल में प्रवेश करता है और उत्तर की ओर बढ़ते हुए 15 जुलाई के आसपास पूरे देश को कवर करता है। मानसून की शुरुआत 30 मई 24 से हुई है, जो इसकी सामान्य शुरुआत से दो दिन पहले है। आईएमडी ने अप्रैल में अपने दीर्घकालिक पूर्वानुमान में कहा था कि जून से सितंबर के बीच देश में मानसून की बारिश +/- 5% की मॉडल त्रुटि के साथ लंबी अवधि के औसत (एलपीए) के 106% पर सामान्य से ऊपर होने की संभावना है। ग्वारसीड की फसल का सीधा संबंध मानसूनी वर्षा से है और सामान्य से अधिक वर्षा के कारण ग्वारसीड के क्षेत्र में वृद्धि होती है।

ग्वारसीड की कीमतें-हाजिर-वायदा) के आधार पर



दक्षिण-पश्चिम मानसून और ग्वारसीड उत्पादन में संबंध



आने वाले हफ्तों में ग्वारसीड की बुआई गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है और मौसम की स्थिति बुआई गतिविधियों के लिए अनुकूल दिख रही है जिससे ग्वारसीड के तहत उत्पादन क्षेत्र में वृद्धि होगी। मुख्य ध्यान बुआई गतिविधियों पर होगा क्योंकि मौसम की स्थिति बुआई गतिविधियों के अनुकूल रहने की संभावना है जिससे ग्वारसीड के उत्पादन क्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। स्थानीय बाजार में बढ़ी हुई आपूर्ति अन्य कारण हो सकती है जिससे कीमतें नीचे आ सकती हैं। मई-24 के दौरान भारत भर की प्रमुख एपीएमसी मंडियों में लगभग 21 हजार टन ग्वारसीड की आवक हुई, जबकि पिछले साल यह 17 हजार टन और अप्रैल-24 में 13 हजार टन थी। निर्यात में वृद्धि की उम्मीद से कीमतों में अत्यधिक गिरावट पर अंकुश लगेगा। ग्वार सीड की कीमतों को 5000 के आसपास सपोर्ट मिलने की उम्मीद है, जबकि रेजिस्टेंस 6000 पर देखा जा सकता है। इसी तरह, ग्वारगम की कीमतों को 9800 के आसपास सपोर्ट मिलने की संभावना है, जबकि रेजिस्टेंस 11800 पर देखा जा सकता है।

ग्वारसीड

ग्वारसीड का साप्ताहिक चार्ट



ग्वारगम का साप्ताहिक चार्ट



वंदना भारती	एवीपी कर्मांडिटी रिसर्च	फोन न. 011-30111000	एक्सटें. 625	vandanabharti@smcindiaonline.com
रवि पाण्डेय	सीनियर रिसर्च एनालिस्ट	फोन न. 011-30111000	एक्सटें. 674	ravi16@smcindiaonline.com
शिवानन्द उपाध्याय	रिसर्च एसोसिएट	फोन न. 011-30111000	एक्सटें. 646	shivanand@smcindiaonline.com

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com



Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, AWing 401/402, 4th Floor,
Graham Firth Steel Compound, Off Western
Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon
(East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-70001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

प्रतिभूति बाजार में निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। सेबी द्वारा दिया गया पंजीकरण और एनआईएसएम से प्रमाणन किसी भी तरह से मध्यस्थ के प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है या निवेशकों को रिटर्न का कोई आश्वासन नहीं देता है। उद्धृत प्रतिभूतियां केवल उदाहरण के लिए हैं और अनुशासनात्मक नहीं हैं। एसएमसी सेबी द्वारा पंजीकृत एक अनुसंधान विश्लेषक है जिसका पंजीकरण संख्या आईएनएच 100001849 है। सीआईएन: L74899DL1994PLC063609 है।

एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का निरमन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवाओं और संबंधित सेवाओं करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई (मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉम्प्लेक्स नेशनल कर्मांडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मर्टी कर्मांडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कर्मांडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएस स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य है। एसएमसी सीडीएसएल (CDSL) और एनएसडीएल (NSDL) के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई (AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनालिस्ट) रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनालिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एग्रीट्री द्वारा सिन्डिकेटिड मार्केट/कर्मांडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निर्बंधित नहीं किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनालिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री को शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नहीं देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिसर्च एनालिस्ट, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एल्ट द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कर्मांडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिस्क्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्ता को व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नहीं है। यह केवल प्राइवेट सल्यूशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विस्वस सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नहीं और इस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नहीं किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नहीं किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नहीं करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वित्तीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉर्पोरेट या सलाह की जरूरतों को लेकर नहीं चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते हैं एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बढ़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ) समय-समय पर किसी भी कर्मांडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या विक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कर्मांडिटीज को खरीद या विक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कर्मांडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है। सभी विचारों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।